



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3 उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3 Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 162]
No. 162]

नई दिल्ली, बुधवार, मई 31, 1979/ज्यैष्ठ 10, 1901
NEW DELHI, THURSDAY, MAY 31, 1979/JYAISTHA 10, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह जलन संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचनाएं

नई दिल्ली, 31 मई, 1979

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 31st May, 1979

CENTRAL EXCISES

सा० का० नि० 329(ख).—केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 64/79-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 को अधिनियमित करते हुए, ऐसे कांच और कांच के सामान को जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद संख्या 23क के अन्तर्गत आते हैं और जिनका उपभोग ऐसे कारखाने में जिसमें इसका उत्पादन किया गया हो, उक्त मद सं० 23क के अन्तर्गत आने वाले अन्य कांच और कांच के सामान का आगे विनिर्माण करने के लिए किया जाता है, उग पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है :

परन्तु जहां ऐसा उपभोग उत्पादन के कारखाने से भिन्न किसी अन्य स्थान पर किया जाता है वहां इस अधिसूचना में अन्तर्लिखित छूट तभी अनुज्ञात की जाएगी जब उक्त नियमों के नियम 56क में अधिकृत प्रक्रिया का अनुसरण किया जाए।

[सं 195/79-का० सं० बी० 43/4/79-टी आर यू.]

G.S.R. 329(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 64/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, the Central Government hereby exempts glass and glassware, falling under Item No. 23A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and consumed within the factory in which it is produced for further manufacture of other glass and glassware falling under the said Item No. 23A, from the whole of the duty of excise leviable thereon :

Provided that where such consumption is elsewhere than in the factory of production, the exemption contained in this notification shall be allowable only if the procedure laid down in rule 56A of the said rules is followed.

[No. 195/79/F. No. B. 43/4/79-TRU]

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 330(ख).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 56क के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की

अधिसूचना सं० 223/62-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 दिसम्बर, 1962 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, मद 49 के पश्चात्, निम्नलिखित मद अस्तः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“50 कांच और कांच का सामान ।”

[196/79-फा० सं० बी० 43/4/79-टी आर यू.]

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 330(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 56A of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 223/62-Central Excises, dated the 29th December, 1962, namely :—

In the said notification, after item 49, the following item shall be inserted, namely :—

“50 Glass and glassware.”

[196/79/F. No. B. 43/4/79-TRU]

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा० का० नि० 331(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐसे तारों और केबलों को जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 33अ की उपमद (i) के अधीन आते हैं और जो —

- (क) उपरिल और भूमिगत दूर-संचार तारों और केबलों के रूप में,
- (ख) भूमि के ऊपर (भूमि पर बिछाए गए) ऐसे दूर-संचार तारों और केबलों के रूप में, जिनका प्रवाय दूर संचार के प्रयोजनों के लिए विशिष्ट मार्ग पर किया गया हो, इसके अन्तर्गत दूर-संचार प्रयोजनों के सहायक मकान के भीतर लगाए जाने वाले केबल नहीं हैं, उपयोग में लाए गए हों, उन पर उद्घाटनीय उत्पाद-शुल्क के छूटने भाग से छूट बेती है जो मूल्यानुसार दस प्रतिशत से अधिक हो ।

[197/79]

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 331(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts wires and cables falling under sub-item (i) of Item No. 33B of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and used as —

- (a) overhead or underground tele-communication wires and cables ;
- (b) overground (laid on the ground) tele-communication wires and cables supplied on specific demand for tele-communication purposes, excluding internal housing cables, ancillary for tele-communication purposes, from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of ten per cent advalorem.

[197/79]

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा० का० नि० 332(अ).—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 28 के अधीन आने वाले

इस्पात पिघलन रद्दी को, जो पूर्वोक्त प्रथम अनुसूची की मद सं० 28क के अधीन आने वाले सभी प्रकार के वैद्युत् मुद्रांकन और पटलन के विनिर्माण के दौरान प्राप्त होते हैं, उन पर उद्घाटनीय समस्त उत्पाद-शुल्क से, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट बेती है, कि—

(क) ऐसे इस्पात पिघलन रद्दी की निकासी उक्त वैद्युत् मुद्रांकन और पटलन के विनिर्माण द्वारा, भारत सरकार, के वित्त मंत्रालय, (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 95/79 केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 के उपबंधों के अनुसार उन इस्पात की चाबों पर जिनसे ऐसे रद्दी निकली है शुल्क का मुजरा करने के पश्चात्, की गई है ;

(ख) किसी ऐसे अधिकारी के जो सहायक केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क कलक्टर की रैंक से कम का न हो समाधानप्रद रूप में यह साबित कर दिया जाता है कि ऐसे रद्दी, विद्युत् घट्टी की सहायता से यथास्थिति, इस्पात की सिलियों, धर्म-परिष्कृत इस्पात या इस्पात के सांचे में पिघलन रद्दी के रूप में उपयोग किए जाने का आशय है ; और

(ग) ऐसे उपयोग के सम्बंध में पूर्वोक्त नियम के धार्या 10 में अधिकृत प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है ।

[198/79]

CENTRAL EXCISES

G.S.R. 332(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts steel melting scrap falling under Item No. 26 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), arising in the course of manufacture of electrical stampings and laminations, all sorts, falling under Item No. 28A of the aforesaid First Schedule from the whole of the duty of excise leviable thereon, subject to the following conditions, that—

- (a) such steel melting scrap is cleared by a manufacturer of the said electrical stampings and laminations after availing of, in accordance with the provisions of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department Revenue) No. 25/79-Central Excises, dated the 1st March, 1979, the credit of duty in respect of the steel sheets from which such scrap has arisen ;
- (b) it is proved to the satisfaction of an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise that such scrap is intended to be used as melting scrap in the manufacture of steel ingots, semi-finished steel or steel castings, as the case may be, with the aid of electric furnace ; and
- (c) the procedure set out in Chapter X of the aforesaid rules is followed in regard to such use

[198/79]

सीमा-शुल्क

सा० का० नि० 333(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बैंकिंग विभाग) की अधिसूचना सं० 157-सीमा-शुल्क, तारीख 2 अगस्त, 1978 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, “जितना सेंटीग्रेड थर्मामीटर की पत्रह बिंदी पर प्रति किगो लिटर 21.56 इ० से अधिक है” शब्दों, अक्षरों और संकों के

स्थान पर "जितना सेंटिमिटर यमसीटर की पन्द्रह बिंदी पर प्रति किलो
मिटर पांच रुपए बीस पैसे से अधिक है" शब्द रखे जाएंगे।

[115/79-फा० सं० 332/2/79 टी आर यू]]

जी० के० पिल्लै, अवर सचिव

CUSTOMS

G.S.R. 333(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the

following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Banking) No. 157-Cus, dated the 2nd August, 1976, namely :—

In the said notification, for the words, letters and figures "as is in excess of Rs. 21.56 per kilolitre", the words "as is in excess of five rupees and twenty paise per kilolitre" shall be substituted.

[115/79/F. No. 332/2/79-TRU]

G. K. PILLAI, Under Secy.

